Page 1

B.A III (H)

Social Psychology

Paper V

Topic - Culture and Personality

व्यक्तित्व का आंशिक प्रतिशत आनुवंशिकता तथा शेष 50% का निर्धारण सांस्कृतिक प्रभावों द्वारा होता है। व्यक्तित्व का वह भाग जिसका निर्धारण विभिन्न सांस्कृतिक प्रभावों के कारण होता है उसे सांस्कृतिक व्यक्तित्व कहा जाता है। व्यक्तित्व के चार विमाएँ होती हैं जिनमें विभिन्न देशों में विभिन्नता पायी जाती है।

(1) वैयक्तिकवाद / समूहवाद (Individualism / collectivism) — वैयक्तिकवाद संस्कृति में व्यक्तियों की अभिरुचि सीमित होती है जो अपने परिवार के सदस्यों तक रहता है। इस तरह के संस्कृति में विभिन्न व्यक्तियों में आपस में सम्बन्ध संतोषजनक नहीं होता है। इस तरह के संस्कृति में व्यक्ति विभिन्न तरह के सामूहिक समूहों का सदस्य होता है और ऐसे समूह अपने आप में ज्यादा संगठित नहीं होते हैं। इसमें आत्मनियंत्रण, व्यक्ति की सुरक्षा तथा समानता का महत्व अधिक होता है।

समूहवादी संस्कृति की विशेषताएँ कुछ भिन्न होती हैं। इनमें लोगों में अन्तः समूह की भावना अधिक होती है। परिवार के प्रति निष्ठा अधिक मजबूत होती है तथा परिवार के सदस्यों के प्रति निष्ठा की भावना अधिक रहता है।

Page 2

है। इस समूह में कर्तव्य, आज्ञा, परम्परा, बड़ों के प्रति सम्मान, सामूहिक सुरक्षा तथा सामूहिक पदवी आदि को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है। भारत, जापान, चीन, कोरिया आदि देशों की संस्कृति समूहवादी संस्कृति का उत्तम उदाहरण है।

(2) सत्ता दूरी (Power distance) — सत्ता दूरी से तात्पर्य संस्कृति के व्यक्तियों में एक ऐसी सोच एवं प्रत्याशा से होती है जिसमें लोग यह समझते हैं कि सत्ता एक ऐसी चीज होती है जो कुछ लोगों के हाथ में होती है न कि यह आम लोगों में समान रूप से बाँटने की चीज है।

(3) पौरुषता/नारीत्व (Masculinity/Feminity) पौरुष-प्रधान संस्कृति हठधर्मी तथा प्रतियोगितापूर्ण होता है जबकि नारीत्व-प्रधान संस्कृति अधिक विनयशील तथा देखभाल करने वाला होता है। जिसका परिणाम यह होता है इन दोनों यौन के व्यक्ति में काफी अन्तर हो जाता है। भारत, जापान, ऑस्ट्रिया, इटली, स्वीट्जरलैंड, मैक्सिको, आयरलैंड, अमेरिका, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन सभी पौरुष प्रधान संस्कृति वाले देश हैं जबकि चिली, थाईलैंड, पुर्तगाल आदि नारीत्व प्रधान संस्कृति है।

(4) अनिश्चितता परिहार (Uncertainty avoidance) संसार में कुछ देश की संस्कृति ऐसी है कि वहाँ के लोगों में अनिश्चितता, अस्पष्टता तथा असंरचित परिस्थिति को सहने की शक्ति अधिक होती है। इस तरह के संस्कृति के लोग विभिन्न तरह के सभी विचारों एवं मतों को

ध्यान में रखते हैं। इस तरह की संस्कृति में कई तरह के धार्मिक विचार अस्तित्व में होते हैं तथा इनकी भिन्नता से उनमें किसी प्रकार की चिन्ता नहीं होती है। दूसरे तरफ कुछ देश की संस्कृति ऐसी होती है जहाँ के लोग अनिश्चितता, अस्पष्टता तथा जटिलता को कभी भी नहीं बर्दाश्त करते हैं। तथा इनसे स्पष्ट रूप से सख्त नियम एवं कानून होते हैं। कई तरह के सुरक्षा के उपाय एवं

नियम होते हैं तथा किसी निश्चित धार्मिक तथा धार्मिक विचार के प्रति प्रतिबद्धता होती है। सिंगापुर, जमैका, डेनमार्क, स्वीडन, हांगकांग, आयरलैंड, ग्रेट ब्रिटेन, मलेशिया, भारत, अमेरिका, कनाडा आदि।

अनिश्चितता तथा अस्पष्टता को नहीं बर्दाश्त करने वाले देश की संस्कृतियाँ – ग्रीस, पुर्तगाल, बेल्जियम, जापान, युगोस्लाविया, पेरू आदि।

Kumar Patil
Maharaja College, Ara